भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2384

गुरूवार, 12 मार्च, 2026/21 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इको-टूरिज्म का संवर्धन

2384 श्री इमरान प्रतापगढ़ीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रमुख पर्यटन स्थलों में इको-टूरिज्म और सतत पर्यटन परिपाटियों के संवर्धन के लिए क्या-क्या उपाय अपनाए गए हैं;

(ख) स्थानीय समुदायों तथा अन्य हितधारकों को प्रदान किए गए प्रोत्साहन और सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन उपायों का पर्यावरण संरक्षण और आजीविका सृजन पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): इको-पर्यटन और सतत पर्यटन परिपाटियों के संवर्धन सहित पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधि की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के आधार पर उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करता है। परियोजनाओं के अधीन मंजूरी के लिए विचार किए जाने वाले घटकों में परियोजना की आवश्यकता के अनुसार सततता, सुरक्षा, स्वच्छता आदि से संबंधित घटक भी शामिल हैं।

मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना को सतत और उत्तरदायी पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया गया है। इसमें गंतव्यों के विकास के लिए परियोजनाएं तैयार करते समय स्थानीय समुदायों और हितधारकों के साथ परामर्श करना,

नवीकरणीय ऊर्जा एवं पर्यावरण के अनुकूल सामग्री के उपयोग को प्रोत्साहित करना, सुलभ अवसंरचना का विकास करना आदि शामिल हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन वैल्यू चेन के सभी बिंदुओं पर पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने हेतु गंतव्य का समग्र विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' को एक पहल के रूप में शुरू किया, जो गंतव्यों को सतत और उत्तरदायी स्थलों के रूप में परिवर्तित करने पर भी केंद्रित है।

पर्यटन मंत्रालय समय-समय पर अपनी विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करता है और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को इन परियोजनाओं के सुदृढ संचालन और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि, इससे होने वाला लाभ स्थानीय समुदाय एवं हितधारकों तक पहुंच सके।

मंत्रालय द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय सतत पर्यटन रणनीति में पर्यावरणीय स्थिरता एक प्रमुख स्तंभ है और इसे राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को परिचालित किया गया है। इस रणनीति के अनुरूप, पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायियों को सतत पर्यटन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया।

******